

Ex/Sans/ED/4.7/69/2019(Old)

**BACHELOR OF ARTS EXAMINATION, 2019**

(2nd Year, 4th Semester)

**SANSKRIT (ED)**

Course : 4.7

**[ Ancient Indian Political Thought ]**

Full Marks : 30

Time : Two Hours

*The figures in the margin indicate full marks.*

1. Answer any *four* of the following questions : 1×4=4

নিচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোণ চারটির উত্তর দাও

(a) Write the meaning of the word-शिलोज्जम्।

शिलोज्जम्-शब्देर अर्थ लेख

(b) Write the name of two kings whose arrogance brought about their ruin.

अविनयवशत विनाशप्राप्त दूजन राजार नाम लेः

(c) How many branches of learning should be mastered by a king and from whom ?

कादेर निकट थेके कोन कोन विद्या राजार शिक्षा करा उचित ?

(d) What is meant by the word 'मात्स्यन्यायः' ?

मात्स्यन्यायः बलाते की बोख

[Turn over]

[ 2 ]

(e) Disjoin all the *Sandhis* and rewrite the following sentence.

संक्षिप्तिच्छेदपर्वकं वाक्यं पनराय लेख

अद्यात् काकः पुरोडांशं श्वावलिह्याद्धविस्तथा ।

(f) Name the gods of whose parts a king is made.

ये ये देवतारं अंशं निर्ये राजा संशु ह्येच्छेनं ठां  
लेख ।

2. स राजा पुरुषो दण्डः स नेता शासिता च सः— Illustrate the nature and function of *danḍa* in the light of this observation of Manu. 6

स राजा पुरुषो दण्डः स नेता शासिता च सः — मनर एतं  
मनुष्येण आलोक्ये दण्डेण स्वरूपं ओ कार्यकारिता व्याख्या करे

Or;

State after Manu, the number and qualities of minister.

1+5=6

मनर मतानसारे मन्त्रीदेर संख्या ओ गुणवली आलोचना क

3. Explain any *one* of the following : 5

ये कोन एकटिर व्याख्या लेख

(a) यस्य प्रसादे पद्मा श्रीर्विजयश्च पराक्रमे ।

मृत्युश्च वसति क्रोधे सर्वतेजोमयो हि सः ॥

(b) व्यसनस्य च मृत्योश्च व्यसनं कष्टमुच्यते ।

व्यसन्यधोऽधो व्रजति स्वर्यात्यव्यसनी मृतः ॥ [Turn over]

4. Write in brief the qualities of king Dilīpa as you find in  
*Raghuvamsa* Canto I. 6

রাজা দিলীপের গুণাবলী রঘবংশ কাব্যের প্রথম সর্গে যা বর্ণিত হয়ে  
তা লেখ

*Or*

Write short note on any *two* of the following :

যে কোন **দটির** সংক্ষিপ্ত টীকা লেখ

বৈবস্বতো মনু:, রাজধর্ম:, সংস্কার:।

5. Translate the following verses into Bengali or English : 4

বাংলা অথবা ইংরেজি ভাষায় অনবাদ ক:

(a) त्यागाय संभृतार्थानां सत्याय मितभाषिणाम।

यशसे विजिगीषूणां प्रजायै गृहमेधिनाम्॥

(b) तं वेधा विदधे नूनं महाभूतसमाधिना।

तथा हि सर्वे तस्यासन् परार्थैकफला गुणाः॥

6. Explain :

ব্যাখ্যা কর

5

ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।

गुणागुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव॥

*Or*

न किलानुययुस्तस्य राजानो रक्षितुर्यशः।

व्यावृत्ता यत् परस्वेभ्यः श्रुतौ तस्करता स्थिता॥